

श्रीवामनाह

आम अरुकाथ

573

ARCHIVES

इति॥ चविल्लं अस्या समदकदा वयल्लं कट्टयथा जनं १३
निह्ना वदिसं यनं कविकियल्लयजिजा ॥ ० ॥ कल्लानिला
कसमसुस्यनं दसा च या यद १४ तदयं ययुकिमालस्य
यदिनदिन ० तच्चानका ययिस्यनथवका यदादा अ
संसावया काला ॥ कट्टय ॥ कसुसवसा सा जानं यजानं सा ध्या या य दिनयकिं कसुस्यजनकाय लंधावं १५ ॥ ययुष्य

ययुष्यद्विदिधेद्विजां नित्या सासिजनं वधेद्विजां न
कनकायथा कवयधसुसा ॥ कायधसुसवदा वला
मयधुमानवा कट्टय ॥ यठकट्टयजिजा वाजा यठय ६
वाधमनवा ॥ कसुस्यदाका यधसुसा ॥ कसुसमवसा
संसावया काला ॥ कट्टय ॥ कसुसवसा सा जानं यजानं सा ध्या या य दिनयकिं कसुस्यजनकाय लंधावं १५ ॥ ययुष्य

लायां ॥ ययुष्यद्विजां नित्या सासिजनं वधेद्विजां न
सा ॥ कायथा कवयधसुसा ॥ कायधसुसवदा वला
नायुष्यधीय आसवदना गिति संवसा कवयवसा यमदाया
वसमवयवदं डट्टमदव ॥ या कालं कट्टय वसदव ॥ सा वा
नडया वायाय अचिदनमाल ॥ १६ ॥ कल्लानिला वदिसं यनं कविकियल्लयजिजा ॥ ० ॥ कल्लानिला

कायथा कवयधसुसा ॥ कायधसुसवदा वला
नायुष्यधीय आसवदना गिति संवसा कवयवसा यमदाया
वसमवयवदं डट्टमदव ॥ या कालं कट्टय वसदव ॥ सा वा
नडया वायाय अचिदनमाल ॥ १६ ॥ कल्लानिला वदिसं यनं कविकियल्लयजिजा ॥ ० ॥ कल्लानिला

वक्रयात्रिययोनिका ॥ अत्राष्टमदेनयायि ॥ यदमा
लद्वियाजनवन ॥ मवसायानसा ॥ गत्रुतलं द्रिया
थेन ॥ ३४ ॥ गनेर्वर्था गनेर्विद्या ॥ गनेर्वर्था गनेर्विद्या

॥ गुरुब्रह्म गुरुव्याधिद्या ॥ यस्मात्तैर्न धर्मेन वा ॥ अथ
 श्वयमानुदत्त ॥ अथ तागुरुब्रह्म गुरुव्यादत्त ॥ अथ
 बर्धंश ॥ ३६ ॥ गुरुव्यादत्तं यदा जायते ॥ यागुब्रह्मायि
 ॥ आश्वत्थं गुरुव्यादत्तं ॥ अथ तागुरुब्रह्म गुरुव्यादत्त ॥
 ॥ अथ तागुरुब्रह्म गुरुव्यादत्त ॥ अथ तागुरुब्रह्म गुरुव्यादत्त ॥

जालगङ्गवृक्षस्यै॥ ० ॥ गुणव्याकसस्यस्यैयथिससास्यैयदासास्यैयत्वेधवसा॥ जालयालनदवसाचा॥ (थं॥ धृष्टासुसकासमल्लका॥ ३६ ॥ गिलित्यल्लमः यज्ञानमन्यानिधिं॥ ० ॥ गिरिकलमियायायालान्व मिरयाय॥ शासुस्यन॥ धृष्टाका॥ घनवस्यभायमरुनमृद गुणदुष्टानागुणगुणकलंकाकि॥ यथादधिघृणयथा॥ ० ॥ जलानकृष्टायमाद्रकृष्टवंगुणधलं॥ गुणयलि॥	नालस्यै॥ यद्यिनामिचमयदं॥ अतो नदचधीविद्याः दाकलमियायायाव॥ अलाभासकृयासाधुजनवाप यरधुल॥ ३७ ॥ नदिकृन्नातिजसुतं॥ जसुतं॥
---	---

जायादाव॥ गश्चत्वंधवसा॥ इद्र॥ धरिसा॥ यलवमानकृवै॥ अर्थेयव॥ ४० ॥ गिरिकलनविष्णालन॥ दौगुवाच्यजिगान॥ चवधनवै॥ विष्णुदाशयि॥ निरुधैर्यैकाविद्यामि॥ ० ल॥ डा॥ लायान॥ माययाय॥ गुणकलनमधुनडावाधिव यथाकृनश॥ ४१ ॥ गिरिकलनविष्णालन॥ विद्यादीनमुः ॥ ० ॥ गवतयुयुवा॥ कालवक्रकृयाव॥ द्रुययाकृना॥ विद्यादीनयादत॥ शासुसवडावा॥ अकलकृवसर्गो॥ गश्चदव॥	गिरिगुणलन॥ द्रुयययाकृन॥ सगुण॥ कलनयः वैष्णवाजासयायं॥ धिथरुव॥ निरुधौकृवडाव॥ द्रु थानवडा॥ अकलनायिदिदासा॥ दवनेतयिययाका
---	--

सयययादना विद्यावक्त्र साधुया दन कल सयवय ॥ सिंदयादान ॥ ग ॥ च ॥ द ॥ मा ॥ स ॥ किलन ॥ थं ॥ किलि यका सयाय ॥ रु यं
 दृआ कायनं गाया ॥ ४० ॥ विद्यावया रंजनं काधिरु ॥ का
 रुयसा जनं ॥ ० ॥ गुठिनां ॥ लाकाया थल ॥ गुठिनां ॥ लाकाविद्या ॥
 सव ॥ दयधुव ॥ गुठिनां ॥ लाकाविद्या ससन ॥ अं ॥ दयधु
 जना ॥ गुठिनां ॥ लाकाविद्या ससन ॥ अं ॥ दयधु

११

स्कान मयायाय ॥ ग ॥ सिंधुवन ॥ मुख्यलायं थ ॥ यलखयं मजिव ॥ कलया नवं मजिव ॥ मुख्यलायं थ ॥ यलखयं मजिव ॥
 नदिक आधिवत्ता लि सध्या कालं यया रु यरु आदावम
 आसनि यिल ससनव ॥ आदाल ॥ मधुन ॥ निडा ॥ स्वाध्याया
 ग ॥ काले धकाय न ॥ अल ॥ औ वधु सयायां सया थादाय
 व ॥ आधिवत्ता ॥ काम रु याया रुसा ॥ ग ॥ सिंधुवन ॥ मुख्यलायं थ ॥ यलखयं मजिव ॥ कलया नवं मजिव ॥ मुख्यलायं थ ॥ यलखयं मजिव ॥

92

यथा वा दक्षा ॥ वाजाध्या ॥ आ विधियत ॥ ० ॥ ॥ कालवक्त्र ॥ शीलवक्त्र ॥ शुभवक्त्र ॥ सत्यवक्त्र ॥ धार्मिक ॥ चतुर्लविचक्षणा	धनिर्नलक्ष ॥ मय्यार्क ॥ सदा र्कवं ॥ अनाययययययय
क्षमावक्त्र ॥ धर्मा ॥ यमं ॥ वाजायाययययय ॥ १ ॥ ४ ॥ कालवक्त्र	॥ ला ॥ शि ॥ क्षानि ॥ मरुद ॥ आरुद ॥ अ ॥ स ॥ मा ॥ सा ॥ सं ॥
॥ नाधियत्यं ॥ निया ॥ जययय ॥ ० ॥ ॥ आधिका ॥ स ॥ स ॥ व ॥ न	युलिदिनाधिबं ॥ स ॥ व ॥ न ॥ त ॥ य ॥ वि ॥ क्ष ॥ य ॥ ह ॥ शु ॥ वि ॥ ध ॥ य ॥
वयययय ॥ ॥ धर्मा ॥ यमं ॥ वाजायाययययय ॥ १ ॥ १ ॥ ॥ कालवक्त्र	॥ अ ॥ वा ॥ य ॥ स ॥ दि ॥ क ॥ ना ॥ धि ॥ य ॥ व ॥ क ॥ ॥ स ॥ स ॥ क ॥ स ॥ व ॥ त ॥ या ॥ य ॥ वि ॥
वसायिष्य ॥ धर्मा ॥ ध्या ॥ आ विधियत ॥ ० ॥ ॥ अ ॥ वा ॥ य ॥ स ॥ व ॥ न ॥ ॥ अ ॥ वा ॥ य ॥ स ॥ दि ॥ क ॥ ना ॥ धि ॥ य ॥ व ॥ क ॥ ॥ स ॥ स ॥ क ॥ स ॥ व ॥ त ॥ या ॥ य ॥ वि ॥	

ज्ञायाका॥ भीलवका॥ द्रवसादाययाकधंअंधाश्रियधाय॥ ७७ ॥ अययवदशनायासा॥ सवहृदयियदधनंश॥ अ
 यभीलमुल्हायकं॥ नयवेयाविधियता॥ ० ॥ वंअ
 विवि॥ सासदा॥ लायानुवका॥ भीलससावकिंय॥ गुधः
 कदशासुस्त्रमिहयावकावधुविधायकथितलेव॥ सयः
 दध॥ शासुवका॥ याकाकिंय॥ याठिनमरुत॥ धअं सदानयायशिंद॥ ७८ ॥ सयदृशायदीगा॥ लददसुजिः

१३

सादवशसर्वभासुसा॥ लायो॥ नयलखकडयन॥ ० ॥ अशुलतवकायायकां॥ दानरुवकां॥ अशुलअथलागवयुअं
 अशुवलियशिदअं॥ नानाभासुसासुसासयाकअं॥ धअं
 दलवैयियदधनशअयसादीसदादकावयुकिदावशवा
 लायवाउनयमादीमरुत॥ विवशुध॥ धअंयकिदावः
 अकिनागमशवेय॥ यउल्हायनशसनाधकाविधीयता॥ ० ॥ दलकाकासमध॥ शासुसदा॥ विवशुध॥ यउ

१४

यनवनाङ्गानां धर्मश्रुत्या प्रवृत्तिर्यायन॥ गुणवन्मन्त्राणां कलधमाला॥ गुणदीनमन्त्राणां कलधमाला॥ ६७ ॥ यन्त्राङ्गिः
 त्वाङ्गनरुत्तमं गुणं वाययि दं वाङ्गं वा ननसर्वद्वन्द्वनाङ्गा॥
 यानां धर्मश्रुत्यादानं॥ अङ्गुल्यादानं॥ स्तुत्यादानं॥
 गायत्र्यादानं॥ यन्त्राङ्गनायकादनं॥ यन्त्राङ्गनायकादनं॥ यन्त्राङ्गनायकादनं॥
 दास्यां॥ नायकादनं॥ लयविद्यायां॥ अङ्गुल्यादानं॥ यन्त्राङ्गनायकादनं॥ यन्त्राङ्गनायकादनं॥

वाधवाय गता गमः आयत्वा लभथा मिश्रं ॥ काश्चा न विरुदा शयं ॥ ० ॥ उज्ज्वल दिगस्य ॥ आश्वासं ॥ सकुसुदि
 न साय ॥ आयदा सा ॥ मिश्रदिगसाय ॥ विरुदिगसा ॥ सुदिगः
 जात्रा डल साध साध सांश न निथा ॥ काय थाया ग्या ॥ सुः
 धिना ॥ रिंयु सा रिंयु ॥ सचला चल इध य निरिं दं ॥ रिंल
 चला चल संथा डलया ॥ १३ ॥ आलस्य सुयं डल ॥ सुद्वे व धानि नं गथी ॥ सुगं सुद्वे म म द्या ॥ राशु सुद्वे न बाधिया ॥ ० ॥

साया ॥ निर्वन वच सा ॥ १२ ॥ रुखा वद विधाचा
 विधे सुवद सा ॥ ० ॥ उज्ज्वल नृन गा वि
 थाजा वच ॥ सा रिंलया डलया ॥ सचला चल ॥ स

१६

अलाभी वाय यव ॥ आधिक ॥ विद्युग ॥ दथी ॥ विधान स कुद्वे म डल ॥ काश्चा मथल ॥ थं थं म ड उज्ज्वल ॥ वा काश्चा न गाल न माल ॥
 १४ ॥ वज्र सा मिन स सुयं ॥ सुयं सुयनी ल डल ॥ सुय
 डय म डल सा मि गाल न माल ॥ डय म डल स नं ॥ द्या य नि डल
 न मा ॥ थ वा जा या वा र्थ ना डल ॥ १५ ॥ वा म काश्चा
 गध्या ॥ न डल स म द ल ॥ ० ॥ विरुदिग सा म व ॥ सु ॥ थ ल ॥ सुय का थं थ ल ॥ द्या या र्थ म या या ॥ ल मि सांथ

द्या वि रो यं ॥ म सा म द्या ग ना डल ॥ ० ॥
 डा ॥ का थ या रिं द सा सु व द ॥ थं थं वा का काल
 स का सु व द द्या वा मि सा व द स्वि न द व द्य व

खन॥ सिनदमदसङ्गनंयखन॥ थनकोलकान॥ मदलायवयसासखदय॥ १६ ॥ नकास्यकास्यचित्तिमि॥ नकाऽ
 धित्कास्यचित्तिमि॥ यदकावधायकयन॥ मिशानिचित्तिमि॥ वरुथा॥ ० ॥ मिशुदयकावना॥ सङ्गनदय
 यावम॥ मिशुता॥ सङ्गनता॥ ठाकुरय॥ कालदयनकाऽ
 माथनकावत्सवतिवन्ति॥ यदिका॥ यविमकागिमागनं
 कवयमाल॥ गत्यतंधावसा॥ मावानदकावमदयाव॥ मासागालकल॥ अथैरव॥ १७ ॥ याकावधमिनानिडा॥ अ

रकस्यकावावमि॥ कावमि॥ सोरवदनिदस्या॥ दुङ्गनस्यकावकासा॥ ० ॥ यावतसवकस्य॥ कलमद॥ एकिः
 मङ्गवकाया॥ दनिमंमद॥ कासतयासखरंमद॥ दुङ्ग
 दुङ्गनस्यकावावकासा॥ यावका॥ कावका॥ मदलकावकाव
 दुङ्गनयाकावकासा॥ मङ्ग॥ कावका॥ सिनदखंमद॥
 काजा॥ यावानावदिमंमद॥ वलंमुखस्यमेतवं॥ योलाना॥ मङ्गवका॥ ० ॥ दुङ्गलयावलका॥ काजा॥ दालकायावल

इं०॥खाय॥सूर्यकाकिआवलक०॥नातमवास्यंयान॥व्यावलक०॥अगुनयनिस्कीयायश॥ ६१ ॥अनाथानां	सर्वेषांवाथवागविश॥ ० ॥निर्जनिया॥वा
द्विदानी॥वालद्विदयसिना॥अनययविस्वांतां	इं०॥वाकाइवा॥ ६२ ॥आधिक्कस्याथदिनः
सनया॥वालकया॥आथया॥इंगमया॥धनसागवि	इदंनमोरवर्ध॥ ० ॥आधिनविपुल्यं
स्या॥वाककिद्विदयस्या॥इदय॥वाकमस्या॥स	इदयंथयना॥विस्वयदस्यंवादयं॥थयना॥वाकनस्वादवादयंथयना॥इदयंथयना॥इदयंथयना॥इदयंथयना॥

१६

थां॥कायसायइलं॥मिगवाठल्या॥ ६६ ॥गुडअग्निदिजानीनां॥वर्धनांवाआलोगुवा॥यानवकागुवर्धनीं॥सर्वस्या	का॥चकुवर्धयादवकाइवा॥आधा॥आयादवका
स्यागकागुव॥ ० ॥वाआधयादवकाइवा॥अग्निदव	कगुव॥ ६७ ॥उरुमस्यायिवर्धस्या॥नीवा
इं०॥थवयुव॥लाकसमस्यागुवइं०॥अस्यासग	गुव॥ ० ॥उरुमजाकिइवसनीं॥नीवजा
यिगुदसागवयुजनिथानया॥सर्वस्यास्यागका	किइवसनीं॥अस्यासगका॥धुं॥सववहात॥युजायायमाल॥सयासनीं॥अस्यागकागुव॥ ६० ॥ववकायुजयइ

कृष्ण॥ रूपायाननयुक्तयम् । सङ्गयुजायकावध॥ विद्याधाम॥ सक्तिवन्दने॥ ० ॥ यद्ययुक्तलयसावनाना॥ दुर्गावनयु
 कनयदासन॥ सङ्गथेथयुक्तनयडयगन॥ याआधयुज
 सायासुलंछ॥ वाआधव॥ वाआधायययुक्त॥ नगधम
 नयसुला॥ अन्यगया॥ यवाआधयुक्तलयव॥ वनधम
 आवायैरुलमात्रा॥ आवायादकिलज्जर्ण॥ ० ॥ धिमिरुलनययावना॥ आवायन॥ लक्ष्मिदत्तआवायनरुलवः

१०

ययाकितव॥ १३ ॥ काशंकाङ्कनभाक्षिध॥ वकिष्ठाक्षिधलक्ष्मियव॥ विरवादानभाक्षिध॥ नाल्यस्यगयसङ्गुलं॥ ०
 वानयरुतवसंयाकाशंथङ्गव॥ वकिष्ठासार्थरुययवसं
 वयवसंथरुवना॥ दानानिङ्गययवसंथरुवना॥ विरुधः
 धम॥ अनिर्यंखलंजीद्विर्ग॥ रुलासासायियकागा॥
 यमाल॥ अभिर्यसंसावस्वदना॥ गथेनाधिवसा॥ क्रिग्वसा॥ ययादुधुधं॥ दासंरुयना॥ १४ ॥ सयसुधरुभाधम॥

9

वायुवृक्षसमासं दानमया दारुलना आवृक्षसमादा विदुः यः
 वृक्षनस्य याः आयुः किरायाः श्वनसुमालकायाः दानया
 युवकाः वृक्षान्ययाः दीप्यं वृक्षं जन्तुमुत्तमं दारुलनाः
 मनुष्यायाः धिमासवयमद्वलः अधिमासवयमद्वलः
 यथाः श्वनननाद्वलः ॥ ११ ॥ यज्जद्वलनसं सारुः ॥ यज्जसाधुसमावसं सारुः ॥ यज्जसाधुसमावसं सारुः ॥

सुवाधमदोयाध्या॥ नृयनवयञ्जलद्वयं॥ ० ॥ सयासुसलागीश्या॥ गुधसवागीश्या॥ डयकागरुअनयस
 थनयनिकनलंथना॥ शासुसवाधक्या॥ वधसयाधक्या॥ वाडासलद्वय॥ थदका॥ ५ ॥ डलअद्वय
 धीयाशन॥ शुलाकदनयाक्यना॥ लक्षअथयदाननसः॥ अंतुल्यायनाकसा॥ ० ॥ सत्युवययाकलः
 थानमस्कावध॥ शुलआंथाकलय॥ रुदन॥ लारियाकच॥ य॥ अथविश्या॥ दामविश्या॥ तुल्याश्याकलय॥
 यलिमाननंनवय॥ ६ ॥ स्यात्ताच्छिडंयवविश्या॥ दिश्याच्छिडंयवस्यवा॥ गुरुकुशुभा॥ वां गाभियवकावंनका

१३

यरु॥ ० ॥ राधनयाधना॥ सवयाकवियमकना॥ सवयाकाधनदका॥ रांथ्यांशिलसा॥ यचंद्रविकाथ्या॥ ययनयंका
 ॥ न ॥ सानसाविकयत्कार्य॥ ववसानवयकासय॥ मकुलद्वयंशुला॥ काश्याशिद्वंजयना॥ ०
 ॥ यनययुव्या॥ कार्यमानसानुविकचयनका॥ सासिद्वः॥ काल॥ वचननयकासयायमनका॥ ८ ॥ डयः
 कावशुहीशन॥ शकुभाशकुसद्वरु॥ यादलमदकावधु॥ न॥ यधुकेनेवकाधुका॥ ० ॥ डवमयाकाः
 स्यन॥ शकुनयादुडविकवकास्यका॥ थमास॥ राथकाधालसा॥ कंधुनकला॥ कंधुन॥ यथंयिकायाथ्या॥ हानियुवय

नसदन॥ ६ ॥ वरु यमिगुं धेनु॥ यावत्ता लोदिव यय॥ रुथेव माग्नेयकाल॥ विद्याद्यठमिवास्यानि॥
 श्रवविद्यकिवनसा॥ सकुसुनमनोवस्यं ह्यमान॥ यवन
 लय॥ लवदां सनाउरुयाथं॥ नाउरुयसदन॥ १० ॥
 धुनवदयल्याना॥ लाकार्यं मधुवंधिर्यं॥ ० ॥ रुद्रि
 नद्यानमस्तुल॥ वायववनलालदाव॥ लाया स मस्तु॥ अथायमान॥ मस्तुहृदयं॥ ११ ॥ रुद्रि
 मालिङ्गलदाव॥ वस्यं ह्ययागुर्वं॥ गथंरदधः
 रुद्रिङ्गयद्वयसिनद॥ मधुलंघिनयायस्या मा
 द्वासना॥ यालववनसद्यायतनयजुर्वं वायवव
 नद्यानमस्तुल॥ वायववनलालदाव॥ लाया स मस्तु॥ अथायमान॥ मस्तुहृदयं॥ ११ ॥ रुद्रि

१४

रुद्रिङ्गयमिगुवाश्ववाश्वरुद्रिङ्गायवश्चनस्यायि॥ रुद्रिङ्गायमलधधुर्वं॥ ० ॥ लश्चीवसवयिवं॥ रुद्रिङ्गासा॥ मिगुवा
 श्ववा॥ वसवयिवं रुद्रिङ्गासा॥ वश्चनमयुवं॥ रुद्रिङ्गासा॥ मन्
 वृत्तुङ्गाकिङ्गनव॥ मस्तुलं यवस्तु मयि॥ विंवायं यिदवि
 धिवं मस्तुहृदयं॥ श्वमस्तुथनस्तुनिकनन॥ वायवदाविद
 यादिदनायदाश्व॥ श्वयनयदावीश्व॥ यउवमस्तुनायिनां॥ ० ॥ मिवालङ्गवश्वथयवमस्तुनयदावकावश्वथ
 रुद्रिङ्गवं रुद्रिङ्गान॥ ११ ॥ विर्यं वायं यदानना॥ स
 दना॥ ० ॥ विर्यवायं लालदाव॥ मस्तुहृदयं
 रुद्रिङ्गमनवदा॥ १२ ॥ अग्निदावदवश्चवशां
 मिवालङ्गवश्वथयवमस्तुनयदावकावश्वथ

कचंशमस्तु नमस्तु यथा नया यथा दकाव कं थयका मवया सु सव सव यथा दकाव कं थयका मवया सु सव सव यथा दकाव कं थयका
 थनयु नावदवदकव कं थयका ॥ १४ ॥ आनकायिनः
 द्यान् सीयान् नननव कं थयका ॥ ० ॥ थनयु ना
 कचदाता वदवद सववा कं थयका ॥ मावकाव सनां वक
 सवध आयना यवदनि कं थयका ॥ यकिध सवयालय ॥ ० ॥ वाकायन वाययाय वनां थयका सवयन

२३

थथंनमस्तु यवस्येन कचयय किव ॥ १५ ॥ थयं थयं थयं ॥ विचि श्री कं ॥ मुलक दनकालयन मालाका च ॥ ० ॥ वां धं नि ॥ य
 थका ना किसावका ॥ ० ॥ वाकाया अं थयका ॥ मालि
 थिलवका ॥ मावकाव सवना ॥ १६ ॥ अविमिगु सुदा सी
 ता ॥ सव सव कन थयका ॥ ० ॥ थयका वद कयन ॥ थि
 थयका ॥ थिगनां ॥ सव सव दाता ॥ थयका सवका थयका ना थयका ॥ १७ ॥ अनायय थयका थयका ॥ अनाथ थयका थयका

आठलासद्वेष्टीष्ट॥नलश्वीष्टंविनसंवि॥ ० ॥सत्रशान्तायमसां॥दययाश्रयंथयका॥जातामथादधसत्वायः
 यत्रदावंथयका॥वायसा॥निमग्नानिग्नननश्रंथयका॥थश्रं
 लानि॥कादशकावायागमंशकस्यादंकाचमाशिका॥वि
 श्रुवं॥सदशश्रुवं॥१४॥यथायथा॥श्रुमासाधायथा॥ज्जुनं
 वस॥ १० ॥सिंदादयंवकादयं॥विश्ववत्ताविश्वकैदाव॥वायसात्यकैविश्वकै॥समुपकीनिगदशाश॥ ० ॥सिंद

मनुयथोद्यतमाय॥१२॥॥वैकावश्यामितिमि
 निचिकाशुद्रमुद्रश॥ ० ॥सिंतालश्रुवं॥समि
 सा॥ज्जुनं॥संश्रु॥वावंवावं॥थमचिका॥थवसय
 ॥सिंद

१६

याकननष्टकागुहसन॥वादावयाकननष्टकागुहसन॥खायाकयिकागुहसन॥काययाकननष्टकागुहसन॥विवायाक
 ननष्टकागुहसन॥गाधयाकननष्टकागुहसन॥ १०१ ॥
 प्रश्रुयनत्वायश्रुसिंदादयंविधीयत॥ ० ॥१०२॥कायया
 कयननसिंदयावायनगुह॥ १०३ ॥१०४॥विश्वानिगुहः
 सवकायाविमाधयत॥ ० ॥वादावथिग्नलानिमनुयन॥थमकार्ययायमरुताला॥यश्रुविनिगदशादनश्रुय॥

यरुकायमलंम्या॥थानवदकाठिमिदुमि॥सवा
 चश्रुयावसतां॥दलनकाययाश्रु॥नियार्थननायश्रु
 यथा॥वकावत्यधिकानवशकार्यकावाययत्रानि॥

थमकार्ययायदुःकदाव॥ दुःकार्यनंयायमानव॥ १३ ॥ द्यागुल्लनं च दधे॥ सन्धिरागवैश्वर्यवृत्तीयमाकाशमुः
 क्षिप्त॥ शिष्याश्चत्वारिंशद्विंशति॥ ० ॥ सधनवपुःपुत्रं
 चातुस्रं॥ नायं शुक्रं नयवैथर्यमा॥ ध्वयकाश्वायाकासनं॥
 गुरुशत्रुमादिसधुल्लेख॥ यक्षशिष्याश्चत्वारिंशत्॥ ० ॥
 शिवश्चत्वारिंशत्॥ यमादिसधुल्लेख॥ सधुल्लेख॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ १४ ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥

१५

ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ० ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥
 ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ० ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥
 ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ० ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥
 ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ० ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥
 ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥ ० ॥ ध्वयकाश्वायाकासनं गुह्यं॥

स्मृद्वाल गुणान्नं सौख्यं क्लृप्तं गन्धसुखं सुनताकयास्यं निरुजयान्नं सुखं ४॥ ३१ ॥ अमनासदसंग
 न कानयास्य धमागतिं यथायि सोधिनिदम् मयनिनं विधीयते ॥ ० ॥ असाधुयुवयव संगयादावेन डयमयुव
 यवमध्वमगतिरुचं गन्धध्वजसा सोधिनिनयादसम
 अमनास्यकदायव अध्वमियाकि साधवः ४॥ माएनियुनि
 तनायवाकायादायन साधुयनिजसाधुचं गन्धलं सखिंदनताकयास्य मा ० वंदलं स मा ० वंदलं दायाथं दायुत
 म

३३

॥ ३३ ॥ डलमे ४ सदसंगत कानयासिममनकिं निं सुद्धा रणानिवा यक यद्विगे ४ कुसमेसद ॥ ० ॥ शिंयुदं वान
 यंलादव सुकंदलेन गवहव खानताकवानायादाव सोयदं भादमादकास्यं ध्वजयंगवं ॥ ३४ ॥ किंकलिप्रगिरा
 यका ४ सावद ४ चिकमं ४ यथा मरुलं मध्वस्य कसाथा
 वगुलियादिन मरुव धमाथं भादन मसुयुनाय दवन
 सगावदिलमखव ॥ ३५ ॥ सकलावसवंधान मध्वनिमय निमिगा ४ मध्वदीलं सगावदि निमं किं मध्वनायव ॥ ०

॥ मासवन सुतगनिविंदाव मध्यमनिमययावनयः कस्मिन्सचिविवियाव हहन वध्यादाव निम्न वाक्सादयायः
 मज्जित धमाधुं सः ॥ ३७ ॥ यस्मिन्कयुनयाविश्या यनहस्युदधनं कार्यकाचवसंदाय नसाविशानवधनं ॥ ० ॥
 यधिसवांर्यगयाविश्या भवयादकसयोदधन कार्यकयः ॥ ३८ ॥ कागवजस थाविशान विश्यामरु थधनं धनमरु
 व ॥ ३९ ॥ ॥ हन सनयमिगानि सिनदानिवाध्ववा विंयः ॥ ४० ॥ याकनकरुयां मथाभानिस्तुलानिदः ॥ ० ॥ ॥ हन
 मयादमिन सिनदमदवाध्वव द्यययाकनयाय वलमकं वमथा निसुल ॥ ४१ ॥ ॥ अगयादमनयानिदवस्ययि

३४

व३

दिवाध्ववा काकयालश्याक गय यकालनयमिगानि ॥ ० ॥ ॥ वनसवांठ सिंखान हलसवाठवध्वकन वलममद वा
 स्यंगयाथ ॥ ४२ ॥ ॥ यहावयनदिनस्य का मदीनस्यथानलः निवध्ववमनागस्य वासमयाकमयायथा ॥ ० ॥
 यहागदववन का मसंवयाका निवध्ववद्विह्व गत्य ॥ ४३ ॥ ॥ धावमालं सधवलयाथ ॥ ४४ ॥ ॥ अगहदस
 यिसोअध दमयाकालदकथा वतावानिसुलंयाकि ॥ ४५ ॥ ॥ यनाममयदम्ववं ॥ ० ॥ ॥ वलमवाअधिलाक
 स माद कीयवयकचाल सधमकास्यवद थयनानिसुलहवं ॥ ४६ ॥ ॥ निसुलाकयलमना निसुलावमिवा

उरदायसंयुक्तशीलस्य धर्मिष्ठस्य निरुलं॥ ० ॥ कृपयनियकभवायादा लागियाकचमिसद हस्त्रियाकमी
 लंमदा वाक्मनेनददायदार्थ धर्मनिरुलं॥ ६२ ॥ वल्ललकांयां विरुया मयिकधका प्रयश्चिनिन
 नीचउ वेवार्थ सदहाकलं॥ ० ॥ कृतिननसक लयकायचयाकया विरुयीरुचसनी विवादाया
 यमाल सुययीरुचसनी निवर्तनमव धमडाडर्थदद मंडुभव विवादायायशकोकाय ॥ ६३ ॥ विवा
 दया मर्मभाय अभध्यादयिकाधर्मनीचादया रुमाविशं श्रीचलं हलालादयि ॥ ० ॥ विवसयादैनसनीं सुमूनश

३३

उरदायं कायथा (ग) अयतुगथायमचानसनीं लंकायमान नीचयाकचानसनीं डलमविशारुचसनीं सनमाच अक
 लिरुलसनीं श्रीचलरुचदायनकायथा ८॥ ६४ ॥ कायदायं कलनास्ति व्याधिनाकानयिठिर्न कननंयं सनीं
 यार्थं (गीय४) कायनिलकरं॥ ० ॥ सयाकलना काय मदा व्याधितसमयिठलया सनानद४खम
 सव स मा लिरुचसनीं अकचअकलसमलाकमदा ॥ ६५ ॥ दायायुमिगुलायुमि निरुलं खादिजायभा
 सकमालस्य यदस्य नालागवगिकर्क ॥ ० ॥ दायनरुलसनीं मद्रमं मद्र गुणरुलसनीं मद्रमं मद्रगथ

ठांश्च न सा कामलयंया नालस कक्कायिदाववर्धय ॥ ७७ ॥ अमृतं क्षिप्रं च द्रि अमृतं क्षी च राजनं अमृतं
 गुणवतिनाया अमृतं वालाया विर्ग ॥ ० ॥ मिमल
 रुचदास्यं ध्वं अमृतं वालकनकायावचन रुचदास्यं
 मुक्तामीयुक्तं ४ दल आच स दलाची दल रुचवचनं वि
 द्वा मिमिथं दल १ दगि रुचदाव मिमिथं दल रुच रुकाउ द्वा कं यावचनं दल ॥ ७८ ॥ नदिनां जा द्वा वी लो ह्य

३७

नाचीनां च यमिदगा मनः श्लाघं नृयाया द्वा द्वा नां यमिद्विनि ॥ ० ॥ नदिदकास गंगु लु मिमादकास
 यमिदगा रिंय मनः श्लाघकास बाजा लु दमदकास यथायमथमवान डाथाय स रिंय ४ ॥ ७९ ॥ यनय
 नासमाकीर्ण दामिदा ४ समाकलं ॥ नाया विचदिक
 मिमान संविकाया दवान सनां मिमिदका दवाव मिड
 तानां मीया वल मन रुमं ॥ गसा रु दधनि चया नाय लका धनं किं ॥ ० ॥ स म रु वल दकासं मी वल डल म

॥ धनं या कनान् श्रीमन्निनदा वधनदया वदुय ॥ १ ॥ ॥ वासिदसि कदं दाना कयभादय नदालं ॥ कमकीदय
 वाजा वायुवाचनदं नम ॥ ० ॥ कवदवधमिमान् कवदं दोभाचकचं कयुनकायन कलभाचवचं ॥ कमविधवाजा
 भाचकचं सनवाचभाचकचं ॥ १२ ॥ श्रीनादाय सदा साधि गुहा श्रीधि मदि यम गुदावाच ४ सभाय ३१
 लि ४ सालधायिना सदा ॥ ० ॥ मिश्रायादाय नदाचचि १००० गुहदगस्वमा ३ साचिवाजा स ४ सदा वदं निदान
 यादा कायवायवा ययवा संसजगन सिंदा थसमादत ॥ १३ ॥ कवय ४ किं न यथानि किं न रुदा निवाय सा ४

युगा गयामकायदिवजग यजलयाधमधनं नीलमायुयमृजग ॥ ० ॥ गवर्माकायदल कदाचिन् युद्धकाय ग
 यावनिवज्ज ॥ धनं गुधमधय रुयाका नीलथमाडचुलचय ॥ १४ ॥ ॥ नकनसुक्कदृक्क ॥ दक्षमाननेवक्रिना दक्ष
 नमदनं सर्व कयुनदकलं यथा ॥ ० ॥ चूमागद सिंशान नेवन समसुवनदका ददचयनं कयुनकायन
 कलभाचवार्थ थर्थज्ञा ॥ १० ॥ नकनायिसुवृद्ध ॥ यथिननसगधिना वासिमं नदनं सर्व सयु
 नदकलं यथा ॥ ० ॥ चूमासिमाया वादावा नसाकनन गुंयं नसाचकचं थयुनद कलं यं नीनकार्थं स्व ४ ॥ १५ ॥

गयस्ययनावभासुत्या सायसुद्वानगामिनी विरुवथायिसादुष्टः स्वर्गनस्यमदीनव ॥ ० ॥ गननसंयावायय
 नि स्यवकयनिमिचिधव वषासदय धननगवाकांया सुधीवी संस्वर्गसायकव ॥ २१ ॥ ययुवाश्रयिषुवे
 ॥ ४ ॥ सयितायसुयायक ॥ ४ ॥ गस्मिन् यतविष्मसं ॥ ४ ॥ सायाययनिवृत्ति ॥ ॥ गनननवदयावः
 ॥ ४ ॥ ससुचं धयुग गनयावयुन यागलयावगव धयुग
 ययुवयावभाससुचकाव धयुगसुचकाय ॥ २३ ॥ ययुवावमिडीवनि विवमिगयवाधवा ॥ ४ ॥ ससुचंकीविगय

५०

यननसंयावायय ॥ ४ ॥ ससुचं धयुग गनयावयुन यागलयावगव धयुग
 ययुवयावभाससुचकाव धयुगसुचकाय ॥ २३ ॥ ययुवावमिडीवनि विवमिगयवाधवा ॥ ४ ॥ ससुचंकीविगय
 ययुवयावभाससुचकाव धयुगसुचकाय ॥ २३ ॥ ययुवावमिडीवनि विवमिगयवाधवा ॥ ४ ॥ ससुचंकीविगय

[illegible]

व० ४ ॥ किंकचिश्चिनिवकाय ॥ १ ॥ मायकजविश्वक ॥ २ ॥ अयं ॥ ३ ॥ कंठक ॥ ४ ॥ किंकचिश्चिनि ॥ ५ ॥ ० ॥ दूचाय ॥
 याव ॥ ६ ॥ नथाय ॥ ७ ॥ दमदल ॥ ८ ॥ यंतिनि ॥ ९ ॥ द ॥ १० ॥
 व० ५ ॥ कदलीवनम ॥ ११ ॥ वक्रिर्म ॥ १२ ॥ य ॥ १३ ॥ क
 कदिनवनम ॥ १४ ॥ मिर्था ॥ १५ ॥ वलला ॥ १६ ॥ य ॥ १७ ॥ द ॥ १८ ॥ य ॥ १९ ॥ म ॥ २० ॥ रू ॥ २१ ॥ व ॥ २२ ॥ थ
 व० ६ ॥ १ ॥ य ॥ २३ ॥ ल ॥ २४ ॥ थ ॥ २५ ॥ मि ॥ २६ ॥ त्र ॥ २७ ॥ म ॥ २८ ॥ जी ॥ २९ ॥ दा ॥ ३० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ३१ ॥ ल ॥ ३२ ॥ थ ॥ ३३ ॥ मि ॥ ३४ ॥ त्र ॥ ३५ ॥ म ॥ ३६ ॥ जी ॥ ३७ ॥ दा ॥ ३८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ३९ ॥ ल ॥ ४० ॥ थ ॥ ४१ ॥ मि ॥ ४२ ॥ त्र ॥ ४३ ॥ म ॥ ४४ ॥ जी ॥ ४५ ॥ दा ॥ ४६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ४७ ॥ ल ॥ ४८ ॥ थ ॥ ४९ ॥ मि ॥ ५० ॥ त्र ॥ ५१ ॥ म ॥ ५२ ॥ जी ॥ ५३ ॥ दा ॥ ५४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ५५ ॥ ल ॥ ५६ ॥ थ ॥ ५७ ॥ मि ॥ ५८ ॥ त्र ॥ ५९ ॥ म ॥ ६० ॥ जी ॥ ६१ ॥ दा ॥ ६२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ६३ ॥ ल ॥ ६४ ॥ थ ॥ ६५ ॥ मि ॥ ६६ ॥ त्र ॥ ६७ ॥ म ॥ ६८ ॥ जी ॥ ६९ ॥ दा ॥ ७० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ७१ ॥ ल ॥ ७२ ॥ थ ॥ ७३ ॥ मि ॥ ७४ ॥ त्र ॥ ७५ ॥ म ॥ ७६ ॥ जी ॥ ७७ ॥ दा ॥ ७८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ७९ ॥ ल ॥ ८० ॥ थ ॥ ८१ ॥ मि ॥ ८२ ॥ त्र ॥ ८३ ॥ म ॥ ८४ ॥ जी ॥ ८५ ॥ दा ॥ ८६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ८७ ॥ ल ॥ ८८ ॥ थ ॥ ८९ ॥ मि ॥ ९० ॥ त्र ॥ ९१ ॥ म ॥ ९२ ॥ जी ॥ ९३ ॥ दा ॥ ९४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ९५ ॥ ल ॥ ९६ ॥ थ ॥ ९७ ॥ मि ॥ ९८ ॥ त्र ॥ ९९ ॥ म ॥ १०० ॥ जी ॥ १०१ ॥ दा ॥ १०२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १०३ ॥ ल ॥ १०४ ॥ थ ॥ १०५ ॥ मि ॥ १०६ ॥ त्र ॥ १०७ ॥ म ॥ १०८ ॥ जी ॥ १०९ ॥ दा ॥ ११० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १११ ॥ ल ॥ ११२ ॥ थ ॥ ११३ ॥ मि ॥ ११४ ॥ त्र ॥ ११५ ॥ म ॥ ११६ ॥ जी ॥ ११७ ॥ दा ॥ ११८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ ११९ ॥ ल ॥ १२० ॥ थ ॥ १२१ ॥ मि ॥ १२२ ॥ त्र ॥ १२३ ॥ म ॥ १२४ ॥ जी ॥ १२५ ॥ दा ॥ १२६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १२७ ॥ ल ॥ १२८ ॥ थ ॥ १२९ ॥ मि ॥ १३० ॥ त्र ॥ १३१ ॥ म ॥ १३२ ॥ जी ॥ १३३ ॥ दा ॥ १३४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १३५ ॥ ल ॥ १३६ ॥ थ ॥ १३७ ॥ मि ॥ १३८ ॥ त्र ॥ १३९ ॥ म ॥ १४० ॥ जी ॥ १४१ ॥ दा ॥ १४२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १४३ ॥ ल ॥ १४४ ॥ थ ॥ १४५ ॥ मि ॥ १४६ ॥ त्र ॥ १४७ ॥ म ॥ १४८ ॥ जी ॥ १४९ ॥ दा ॥ १५० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १५१ ॥ ल ॥ १५२ ॥ थ ॥ १५३ ॥ मि ॥ १५४ ॥ त्र ॥ १५५ ॥ म ॥ १५६ ॥ जी ॥ १५७ ॥ दा ॥ १५८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १५९ ॥ ल ॥ १६० ॥ थ ॥ १६१ ॥ मि ॥ १६२ ॥ त्र ॥ १६३ ॥ म ॥ १६४ ॥ जी ॥ १६५ ॥ दा ॥ १६६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १६७ ॥ ल ॥ १६८ ॥ थ ॥ १६९ ॥ मि ॥ १७० ॥ त्र ॥ १७१ ॥ म ॥ १७२ ॥ जी ॥ १७३ ॥ दा ॥ १७४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १७५ ॥ ल ॥ १७६ ॥ थ ॥ १७७ ॥ मि ॥ १७८ ॥ त्र ॥ १७९ ॥ म ॥ १८० ॥ जी ॥ १८१ ॥ दा ॥ १८२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १८३ ॥ ल ॥ १८४ ॥ थ ॥ १८५ ॥ मि ॥ १८६ ॥ त्र ॥ १८७ ॥ म ॥ १८८ ॥ जी ॥ १८९ ॥ दा ॥ १९० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १९१ ॥ ल ॥ १९२ ॥ थ ॥ १९३ ॥ मि ॥ १९४ ॥ त्र ॥ १९५ ॥ म ॥ १९६ ॥ जी ॥ १९७ ॥ दा ॥ १९८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ १९९ ॥ ल ॥ २०० ॥ थ ॥ २०१ ॥ मि ॥ २०२ ॥ त्र ॥ २०३ ॥ म ॥ २०४ ॥ जी ॥ २०५ ॥ दा ॥ २०६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २०७ ॥ ल ॥ २०८ ॥ थ ॥ २०९ ॥ मि ॥ २१० ॥ त्र ॥ २११ ॥ म ॥ २१२ ॥ जी ॥ २१३ ॥ दा ॥ २१४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २१५ ॥ ल ॥ २१६ ॥ थ ॥ २१७ ॥ मि ॥ २१८ ॥ त्र ॥ २१९ ॥ म ॥ २२० ॥ जी ॥ २२१ ॥ दा ॥ २२२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २२३ ॥ ल ॥ २२४ ॥ थ ॥ २२५ ॥ मि ॥ २२६ ॥ त्र ॥ २२७ ॥ म ॥ २२८ ॥ जी ॥ २२९ ॥ दा ॥ २३० ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २३१ ॥ ल ॥ २३२ ॥ थ ॥ २३३ ॥ मि ॥ २३४ ॥ त्र ॥ २३५ ॥ म ॥ २३६ ॥ जी ॥ २३७ ॥ दा ॥ २३८ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २३९ ॥ ल ॥ २४० ॥ थ ॥ २४१ ॥ मि ॥ २४२ ॥ त्र ॥ २४३ ॥ म ॥ २४४ ॥ जी ॥ २४५ ॥ दा ॥ २४६ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २४७ ॥ ल ॥ २४८ ॥ थ ॥ २४९ ॥ मि ॥ २५० ॥ त्र ॥ २५१ ॥ म ॥ २५२ ॥ जी ॥ २५३ ॥ दा ॥ २५४ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २५५ ॥ ल ॥ २५६ ॥ थ ॥ २५७ ॥ मि ॥ २५८ ॥ त्र ॥ २५९ ॥ म ॥ २६० ॥ जी ॥ २६१ ॥ दा ॥ २६२ ॥ ० ॥ १ ॥ य ॥ २६३ ॥ ल ॥ २६४ ॥ थ ॥ २६५ ॥ मि ॥ २६६ ॥ त्र ॥ २६७ ॥ म ॥ २६८ ॥ जी ॥ २६९ ॥ दा ॥

कालसं समुद्रन मूर्द्धादव माधवचययकव साधुजन नरुकाया सा मलभदयायमयव यलथकालसं ॥ १ ॥ म
 रयचिभकल्याभ मूर्द्धादयागवसावयनियन मरुसाता लवलनिकदावन ॥ • ॥ कल्यानचर
 ममहंयचयय समुद्रन सोमामभनैलय।मः दाययमनरुका विददिलावं मजागलय लोचरुचम
 नो ॥ ६ ॥ विश्वमसीयवयला विश्वमवोद अमय४यावृष्टं विश्वमनित्यं दयासाधुयविद्यन ॥ • ॥
 मीयाकचयलादव वाक्कनयाक नयदव स्याकवचननीययाक दय साधुजनयाक दयादव ॥ ७ ॥ साधुसमावेत

४४

मानन सुवनिददविकियां रुयकाभमना विदूर्जल ४कनयुकाभ ॥ • ॥ साधुजनववमत्रान सन दयमदीव नमि
 यनगीरुव रुर्जनयाक रुकायागचदिनाडयकाचयानमना सनानधवयायमाजिव ॥ १० ॥ दयवमत्रान
 मा माहि नादुध ४ मा साधवयन रुयकायिहानदीय नद रुदीनानयम्यनि ॥ • ॥ रुनीइकाभा रुन ल
 ययायडीव अरुनीरुका मा मूनवाधयाय मडीव रमयाहं दयमा यय द्वा ममंशुयकां मल मममिया म
 हन मयदथाशुवा ॥ ११ ॥ नालिकचममाका न रुकाक रुयि रुर्जन अयायिवदलावा ना यदिवनमनाचमा ४ ॥

नालिआलथंमऊनशययु यिवनमरिंय दूवनरिंय नंआलकाउ दऊनशयु वयलथं यिवनरिंय दूनमरिंद४
 ॥ १२ ॥ वदुनंभीमलं चदु चदुननउवदुमा ४५ वदु वदुनथामोधि साधुसंयकभीमलं ॥ ० ॥ ॥ धीख
 धुं भीमल धीखधोधुवाध चदुमाभील धीखधुन ॥ १३ ॥ अधमोधनमिदुकि यीमिशिदुकिमाधमा
 ॥ १४ ॥ अधमऊनन धनययु यीमिशययु मधुऊननमायययु माधनशयु नवदकायाधन ॥ १४ ॥ मद्रिकावधमि

४३

ध्वनिशं सऊसवानथाधनं धीलाध्वनीकुर्वकि कानच४कुविवादका ॥ ० ॥ ॥ वादानवनिजार्ग हाउवनीकाच चाड
 सवा नथावन धनमांधाचरु अनियनिसनयायु (कान
 नाथीवानिर्धंयं विद्याथीयवदुधनं पाठकालमययाथी
 याचयाय विद्याथिनअनकभासुठनयु यूनार्थीयाकन
 यु ॥ १५ ॥ मुखयमंदलाकालं वाचाचदुनभीमलं रुदयकलिमंशकं निविधंधुकेनशुं४ ॥ ० ॥ ॥ अधुयनयति

अं कामलयाकवचनशीसधुंभीमल नुयउकलीथं धुमाधूकयलकनभय ॥ ११ ॥ हर्जनं १ यियवादीवनेवदिः
 आसकाचयग नधुधनकिजिकाय रुदिदालादलंविषं ॥ ० ॥ हर्जनं १ यकाठुनठुका विश्वाम
 युकासिभदानेहसं वयु लगाउमदलादलधायवृष
 दक्षियधनि आत्मनादिल्लमागानि यधनयिनयधनि ॥ ॥ हर्जनं १ यकाठुनठुका विश्वाम
 नथवकुचदायंन यालयायधंयु स्वयंमयनकैनयु ॥ १२ ॥ दर्शनियाधुयसी धनवकथनीगुहा १ हलस्थयिचहधु

४७

क किंठुकावृवयुयिगा १ ॥ ० ॥ यनयनमुखदकांदर्शनयाय धनियनि निगुनिदकां हचसवानसनां आयुवलादावौ
 सिंवादायंवायर्थंय १ ३ ॥ ० ॥ यथायिचिरुका ययकादि यदयधु १ रिश्वनवाकगला न १ यदयधुकायथा १
 ० ॥ मुखेकागिरुवर्ग भादगमाल ययकन यधुनयुभादनेरु यधु वचननकागदाव युगनयवर्थ कधुयायगम
 लत्रर्थयधावियु ॥ ३० ॥ १ ॥ सय्यकच १ खचकुच १ सय्यकच १ चनच १ खलं १ मकायधिवस १ सय्य १ खल १ कननाय
 भायिग ॥ ० ॥ सय्यकच १ हर्जनकच १ सय्यकनान हर्जनमृतिउक १ यनधानसा मकायधिविन सय्यआयनयायदीवय हर्ज

नरुकाया दृढयवाचनं सायायमजित्वा ॥ ३२ ॥ दक्षिणसदसध सगदसुनवाजिनं ॥ ३३ ॥ गीनादमदसुन दमयागनदरु
 नं ॥ ० ॥ विमिवासादीनां ॥ १००० ॥ याचकमाल गठंवास गन
 चकमाल ॥ १० ॥ दृढनेवशचदास्यन दमयागयादन उडवाचद
 नं ॥ ११ ॥ गीलगुददसुन स्वर्णदसुनदृढनं ॥ ० ॥ विमि
 जादवान गीवाइका लुदजादवान दृढनं इकाया स्वर्णजादवानमाल ॥ ३४ ॥ दृढनंयदीदकाया श्रीमन्मालंकायाया

४२

नाकिञ्चि नस्मादिदुगनासुद ॥ ० ॥ नायवनं काठमाचकयु नायवनं द्वाकभाचकयु नायवनं धौसाधचयमजित्वा
 चिकुठियदधमद धमन नायुष्टाकयामिनं द्वाकधाया
 ॥ १ ॥ ससुलसुसुलयकि जायायासुदृहीगलं ॥ ० ॥ गुंमथा
 लंनित नवलंखवलदाव दानमयंभाचकदृढनं ॥ ३५ ॥ दृढनंयदीदकाया श्रीमन्मालंकायाया
 दृढनायीनी उखला निचरुगादि दृढनं ॥ ३६ ॥ यचिवदुयन ॥ ० ॥ संयुक्ताकथसा स्ववाकाया सायथवयु धमयानसंग

सा मानेव कलयां श्रीवराजकचयुव ॥ ० ॥ नदिव लसिगादाकवा ददावा मकुआदवा सीवा नाडावा विद्याममम
 व ॥ ४ ८ ॥ नदिमिचयुआदवा यावनाची शनिवायय ॥ सा मकचदिना नाका नरुवनिचिवायय ॥ ० ॥
 वासिमिचयुवांय मिमाआधावमत्थावमिमा मकिमइ ॥ नाका थकगा न्यायमरुव ॥ ४ ८ ॥ यदिष्टुद्वा
 शुमियां गोधिगननकाचयन ददैनमथेयगच ॥ यवाद्वा नदधनं ॥ ० ॥ यीमीनामायकयध
 ममंन लैइलेत्याय धनयादावयाय यवमिचिदधनेयाय थसगायायममव ॥ १० ॥ नमश्च ह्यविद्याम

७२

मकयचिलविगदं आत्मनायिमथाकाधं मिगवेचनकाचयन ॥ ० ॥ दहयाविद्यामममव गतविगदममव
 थमकाधिरुयंममव मिगवेचीयायंमठव ॥ ३० ॥ कुनयंमकिनाजनं वियकयुयलीयमिं यनामि
 नंयमिंरुहं दसमकिमदावुद्ध ॥ ० ॥ कुनिमिनः ॥ वरथंरुयंमइक्रिया नाका थदिनिचवमिनीय
 दमव दमव मक रंग संयासी थमाभवचयमम ॥ व लनिकनन ॥ ३२ ॥ कुमकीनासीविद्याम
 मं कुमायायांकावाव ॥ इवाका नाकिमिहुरि ॥ इदधनामिडीविगं ॥ ० ॥ कुमक्रिया विद्याममइ

नदायन दायन्यालं गुणमदावदत्तं विधानाविमृश नदायन गुणयालं दायनरुचं ॥ १७ ॥ किं कथानितलं
 ४ या ४ वरुमान ४ स्वकर्मणि ४ यायनेवमन शानां वे ४ द्विकर्मन साविधा ॥ ० ॥ अनिकर्मन शयाव
 श्याय थवकर्मन श्यायार्थमदस्य ममाक मनषासव
 ॥ दस्यस्य रुच्यर्षदानं सत्यकथस्य रुच्यर्ष ॥ ४ ॥ नक्षत्र
 थयायालं काल दानयाय कथयायालं कालसत्य दस्ययाययायालं काल धर्मस्यर्षने श्रुतलक्षनतियायायया

११

जनद्वयाय ४ ॥ १७ ॥ वचीनरुच्यर्षकीर्षां दमाक्षां यथा रुच्यर्षं स्ववृत्तिरुच्यर्षं यं सांयर्षिनां रुच्यर्षं दया ॥ ० ॥
 मीयायालं काल सचलितशय मिंयासा राशुचं वादा
 कलययर्षवान सागा स्वामिसमा राशुचं दयालुय
 नि ४ ॥ यथा विरुच्यर्षं नका शीलसवने रुच्यर्ष ॥ ० ॥
 चय यथीवीयायालं काल राजा समस्तयायालं कालशुक्ल सगीलशय ॥ ११ ॥ मदनायचिरव श्रुं नतोयमान

४२

मूलमं ॥ कंसाचीयादद्यानन कालियस्य विरुषर्ष ॥ ० ॥ गदनयादशुचदशयन अयमानं शिंघ नीवनयादशुचदशय
 न मांशं मजिंघ गत्यनाथा वसा शीकृष्णमनउवननवा
 ॥ सुचिरुमीगनभायं शुचिनालीयमिवगा ॥ शुचि ४ क्षमा
 लंखनवदाव शुचिश्चनं मिमायमिवगाश्चनदाव शुचिश्च
 लंदाव याक्कर्म शुचिश्चनं ॥ १ ॥ शुचिरुमिगनभायं यवलयानविद्यन लयस्थनं यविलयक अयस्थनं शुचिश्च ४

७८

७८

॥ ० ॥ वंमथाया मदलयाय लंखगुवि वायाथायभाउगाव मलयलमवाय शुचियानं शुचिप्राय ॥ ८० ॥ वृक्षमं
 नाशुद्धं मकांश मममलनमुद्धन चक्रमाशुद्धमनाचि
 द्वियाय यादवायाव भीकलशुद्धियाय मासिकशुद्धन मि
 ८१ ॥ यिउलक ४ युलंदद्यानमाउदद्यानदानसा ॥ माय
 याकनान अकयविदिय माभयाकनान नानसाविय सायाकनान थमवा समर्थविय थमथंथन कृषियाव

नमः ८२ ॥ वायिवाकीलयाधन वाक्काधीगमधनय वाक्काधर विचारधन सगुहानवकंदधन ॥ ० ॥ वायिनसा
 श्रेया हृदभाधन वक्का नीयसंगयादान वक्काधर विचारयादान धर्मासदनलकाधननिव ॥ ८३ ॥
 मुदिदसतथायुक्ता मासमकं निवक्तुं ॥ दीप्यमाना
 लादाधन लक्ष्मिना क्रिधनसयानदाव धक्कावाक्काधर लसलेषा मोक्षासदृशं धक्कावाक्काधर सिगदात्र सिवाया
 द्वायचययु ॥ ८४ ॥ मीलदीनठयानावी द्युगदीनठमकनं ॥ वक्कादीनं मलंकालं ॥ द्यादीनविजालं ॥ ० ॥

५२

॥ हृदमहयुक्तामिमाशुचं धलमदयकं नयाशुचं वक्का वाक्काधर विचारधन विचारमसदवाक्काधर धक्काधर
 ॥ ८५ ॥ ॥ वाक्काधर नीयमीलयुक्ता ॥ वाक्काधर विचारधन विचारधन ॥ ० ॥
 लंखसथाद यव वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर
 धक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर ॥ ८६ ॥
 वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर ॥ ० ॥ वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर वाक्काधर

दासनमद धवदानं दासनमदा कामसस्यवल्लयानं दासनमद वीहीयासंगतं यवदा च धमनिदुहियादनमा
 उतलसा मदाकललाकरुमा ॥ २२ ॥ चतुर्मागलययको यादयान्दुधीयोमिमां नखादश्रियिमां स उल्लभम
 दिद्विद्वि ॥ ० ॥ विवसमदनकाक युधीवी गदां नानेकानवियायाकल या यदां न लाताउताद
 निवामासीरुयाकलवा डययवा मदन हनी कान ॥ २३ ॥ अग्रिनायश्रीयामुखाः स्यान्मिद्विद्वानि
 च निरुमवयवाचध मद्ययाधदवानिच ॥ ० ॥ मलंख श्रीमुख मयि नाककल धमद्विधं डयवाचन गलालनं

६९

यागमाचकरुव धयमान ॥ २४ ॥ शुक्रमांसंक्रियावुकोहा वालाकस्मिन् ॥ २५ ॥ यसायमेधुनंनिदा सद्यःयाध
 दवानियह ॥ ० ॥ गुषुठिला क्रिधि धिमिमा सधियासय ॥ २६ ॥ मखालधलि सधमधुनयायेदान सधं द्रउवः
 वन धयमान गद्वनध याधमाचकरुव ॥ २७ ॥ मद्यमांसंयुनंमद्यं वालाश्रीकोलमादनं उल्ल
 दकं मवधुयां सद्यःयाधदवानियह ॥ ० ॥ नकस्या दाला नकवायाधल वनवमी दद्वजानयान
 काकलंख मिमाद्युयान कायकाववादान धयमान याधकराश्व गद्वन ॥ २८ ॥ अनादयगुर्धयिधुध

समन्वितिश्रुत्यंशमव्यवसायमनमच्छनवधनवायवाहनालीयिगथद्वयुचि
॥ ७ ॥

8

32